MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY: UDAIPUR

MASTER OF ARTS IN HINDI LITERATURE (semester)

1. **Duration of the Course**: The Master of Arts (Hindi Literature) course will be of four semester duration to be conducted in two years. Each semester will be of approximately five months (minimum 90 working days in a semester) duration.

2. **Eligibility**: Candidates seeking admission to the first semester of Master of Arts in Hindi Literature must have a B.A. or an equivalent degree with 48% marks. Candidates who have studied in Hindi Literature honors at BA level will be preferred

एम.ए.(पूर्वार्द्ध)

सेमेस्टर प्रथम **प्रथम प्रश्न पत्र–MAH101**

हिन्दी साहित्य का इतिहास (प्राचीन एवं मध्यकाल)

इकाई – I

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, इतिहास दर्शन, हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन एवं नामकरण।

आदिकाल की पृष्ठभूमि, काव्य धाराएँ, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य, लौकिक एवं गद्य साहित्य, आदिकाल की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।

इकाई – II

भक्तिकाल की पृष्ठभूमि, भक्ति आन्दोलन के उदय के सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारण, विभिन्न काव्य धाराएँ और उनका वैशिष्ट्य, निर्गुण – सगुण में साम्य–वैषम्य।

निर्गुण भक्ति – वैचारिक आधार, प्रमुख संत कवि–कबीर, नानक, दादू, रैदास। निर्गुण काव्य की विशेषताएँ एवं सामाजिक चेतना।

भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रंथ, सूफी प्रेमाख्यानों का स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोकजीवन के तत्त्व।

इकाई – III

सगुण भक्ति – सगुण भक्ति काव्य की मान्यताएँ एवं विशेषताएँ, राम भक्ति शाखा के कवि और काव्य, तुलसीदास की प्रमुख कृतियाँ, राम काव्य धारा की प्रवृत्तियाँ, रामकथा और तुलसीदास।

कृष्ण काव्य – अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय, प्रमुख कवि – सूरदास, मीरा, रसखान, प्रमुख सम्प्रदाय, प्रवृत्तियाँ, वल्लभाचार्य का योगदान।

भक्तीतर काव्य, भक्तिकालीन गद्य साहित्य, भक्ति आंदोलन का महत्त्व, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्तः प्रादेशिक वैशिष्ट्य।

इकाई – IV

रीतिकाल – पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामकरण, प्रवृत्तियाँ, रीतिकाव्य के मूल स्रोत, रीतिकालीकवियों का आचार्यत्व, रीति ग्रंथों की परम्परा।

इकाई – V

रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त कवि और उनका काव्य, रीतिबद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य की प्रवृत्तियाँ, रीतिकालीन गद्य एवं अन्य साहित्य, मध्यकालीन काव्य में मुसलमान कवियों का

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास–रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका– हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, 1 बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली – 110002
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. नगेन्द्र, मयूर पेपर बैक्स, ए–95, सेक्टर–5, नोयडा–201301
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन 2/38 अंसारी मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली–110002
5. हिन्दी साहित्य : स्वरूप एवं संवेदना – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, 15ए, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद – 1
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सामान्य परिचय – विश्वनाथ त्रिपाठी, एन.सी.ई.आर.टी., श्री अरविन्द मार्ग, नई दिल्ली–110016
7. हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, 1 बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली – 110002
8. इतिहास और आलोचना – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. परम्परा का मूल्यांकन – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास – डॉ. लक्ष्मीलाल वैरागी, संघी प्रकाशन, सी– 177 महावीर मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर – 302017